नई सोच...

Tital Code: RAJHIN27958

Website: www.bhatnerexpress.com

भटनेर एक्सप्रेस

E-mail: bhatnerexpress@gmail.com

RNI NO : RAJHIN/2022/85753

सम्पादक: विपुल गोयल

वर्ष:4 | अंक: 29 | हनुमानगढ़ जंक्शन (राजस्थान) | साप्ताहिक | मंगलवार 2 जून 2026 | मो. 94612-10329 | शुल्क: 2 रूपये | पृष्ठ: 4

31 जुलाई तक होंगे पंचायत चुनाव या फिर टलेंगे? ओबीसी आयोग की रिपोर्ट पर टिकी निगाहें

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान में पंचायत चुनाव 31 जुलाई तक होंगे या नहीं, इस पर अभी भी तस्वीर साफ नहीं है। राजस्थान हाईकोर्ट के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद ओबीसी आरक्षण को लेकर असमंजस बना हुआ है। बड़ा सवाल यह है कि क्या ओबीसी आयोग 20 जून तक अपनी रिपोर्ट दे पाएगा? और यदि ऐसा नहीं हुआ, तो क्या पंचायत चुनाव एक बार फिर टल जाएंगे या राज्य निर्वाचन आयोग बिना ओबीसी आरक्षण के चुनाव कार्यक्रम जारी करेगा? विशेषज्ञों का मानना है कि राज्य निर्वाचन आयोग के सामने फिलहाल दो ही रास्ते हैं। पहला, बगैर ओबीसी आरक्षण के चुनाव कराए जाएं। दूसरा, समय सीमा बढ़ाने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया जाए। राजस्थान हाईकोर्ट ने ओबीसी आयोग को 20 जून तक रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं, लेकिन आयोग के समय पर रिपोर्ट सौंपने को लेकर गंभीर संशय है। इसकी मुख्य वजह आयोग के पास सीमित संसाधन और स्टाफ की कमी बताई जा रही है। ओबीसी आयोग नए फॉर्मेट में आंकड़े मांग रहा है। यह फॉर्मेट जिला कलेक्टरों को भेजा गया है, लेकिन नए प्रारूप में डेटा जुटाने के लिए समय चाहिए। इस समय प्रदेश में जनगणना का कार्य भी चल रहा है, जिससे प्रशासनिक अमला पहले से ही व्यस्त है। ऐसे में आयोग को रिपोर्ट तैयार करने में 2 से 3 महीने और लग सकते हैं। ओबीसी आयोग के सचिव (सलाहकार) अशोक जैन का कहना है कि पहले सरकार ने बिना तय फॉर्मेट के आंकड़े उपलब्ध कराए थे, जिनके आधार पर एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण निर्धारण संभव नहीं था। आयोग अब पंचायत स्तर पर वार्ड पंचों के आरक्षण निर्धारण के लिए नए सिरे से सही प्रारूप में डेटा चाहता है।

आयोग के पास दिसंबर तक का समय

हालांकि हाईकोर्ट ने 31 जुलाई तक चुनाव कराने के निर्देश दिए हैं, लेकिन ओबीसी आयोग को राज्य सरकार ने दिसंबर तक रिपोर्ट देने का समय दे रखा है। आयोग का कार्यकाल पहले भी दो बार बढ़ाया जा चुका है और तीसरी बार इसे दिसंबर तक विस्तार दिया गया है। आयोग लगातार यह तर्क देता रहा है कि सीमित संसाधनों के कारण समय बढ़ाया जाना जरूरी है, जिसे सरकार ने अब तक स्वीकार किया है।

सरकार ने मानी दिक्कत

यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने भी स्वीकार किया है कि ओबीसी आयोग के पास फिलहाल आरक्षण निर्धारण के लिए स्पष्ट आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा ओबीसी को उचित आरक्षण देने की... शेष पेज 2 पर

महीनों लगातार खाली पेट गैस की दवाई लेना खतरनाक

» ओस्टियोपोरोसिस का 40 प्रतिशत तक खतरा; हड्डियां कमजोर हो सकती हैं

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो

जयपुर। महीनों या सालों तक पेट की जलन या गैसी समस्या के लिए रोज सुबह खाली पेट ली जाने वाली दवाई हड्डियों के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है। प्रोटॉन पंप इन्हिबिटर (जैसे ओमेप्राज़ोल, पैंटोप्राज़ोल आदि) दवाएं पेट में बनने वाले एसिड को कम करती हैं। लेकिन एसिड शरीर में कैल्शियम के अवशोषण के लिए जरूरी होता है। जब एसिड का स्तर लंबे समय तक कम रहता है तो कैल्शियम सही से शरीर में नहीं पहुंच पाता और धीरे-धीरे हड्डियां कमजोर पड़ने लगती हैं। यही स्थिति आगे चलकर ऑस्टियोपोरोसिस का रूप ले लेती हैं। यह चिंताजनक जानकारी जयपुर में आयोजित एक दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस आईएसबीएमआर में विशेषज्ञों ने दी। दिल्ली एम्स के डॉ. राजेश खड़गावत ने बताया कि इन दवाओं के लगातार सेवन से मैग्नीशियम और विटामिन बी-12 की कमी भी हो जाती है, जो हड्डियों को मजबूत बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। कई शोधों में पाया है कि जो लोग एक साल से अधिक समय तक एसिडिटी की दवाएं नियमित रूप से लेते हैं, उनमें हड्डी टूटने का खतरा 40 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। सबसे ज्यादा असर मेनोपॉज़ के बाद की महिलाओं और बुजुर्गों में देखा गया है, जिनकी हड्डियां पहले से ही नाजुक होती हैं। वेल्लोर से आए डॉ. थॉमस पॉल ने बताया कि ऑस्टियोपोरोसिस वाले मरीजों में हिप फ्रैक्चर होने के बाद हालात अक्सर गंभीर हो जाते हैं। चिकित्सा अध्ययनों के अनुसार, ऐसे करीब 20 प्रतिशत मरीजों की एक साल के भीतर मृत्यु हो जाती है। इसका कारण केवल हड्डी का टूटना नहीं बल्कि उसके बाद होने वाली शारीरिक जटिलताएं हैं। फ्रैक्चर के बाद मरीजों को महीनों तक बिस्तर पर रहना पड़ता है, जिससे फेफड़ों में संक्रमण, खून के थक्के और प्रेशर सोर्स जैसी समस्याएं हो जाती हैं। दर्द और निष्क्रियता के कारण दिल और फेफड़ों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है।

डोटासरा-जूली की जोड़ी दूसरे राज्यों के लिए मिसाल: राहुल गांधी

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो

अजमेर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को राजस्थान कांग्रेस की संगठनात्मक एकजुटता की खुलकर सराहना की। अजमेर के किशनगढ़ एयरपोर्ट पहुंचते ही राहुल गांधी ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के बीच बेहतर तालमेल को राजस्थान की बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि यह मॉडल दूसरे राज्यों के लिए भी उदाहरण बन सकता है। राहुल गांधी का यह बयान ऐसे समय आया है जब कांग्रेस आगामी चुनावी रणनीतियों और संगठनात्मक मजबूती पर फोकस कर रही है। पार्टी के राष्ट्रीय चिंतन शिविर के समापन अवसर पर राजस्थान कांग्रेस के नेताओं और पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए राहुल ने संगठन में समन्वय और टीमवर्क को जीत की सबसे बड़ी शर्त बताया।

चिंतन शिविर में संगठन को दिया एकजुटता का संदेश

पुष्कर स्थित वाइल्ड रोज रिसॉर्ट में आयोजित कांग्रेस के 10 दिवसीय राष्ट्रीय चिंतन शिविर के समापन कार्यक्रम में राहुल गांधी ने राजस्थान के 50 जिला कांग्रेस अध्यक्षों और दिल्ली के 15 जिला अध्यक्षों समेत प्रदेश पदाधिकारियों से संवाद किया। इस दौरान संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद बढ़ाने और जनता के मुद्दों को प्राथमिकता देने पर चर्चा हुई। राजस्थान कांग्रेस लंबे समय से संगठनात्मक स्तर पर सक्रियता बढ़ाने की कोशिश कर रही है। ऐसे में राहुल गांधी का डोटासरा और जूली के तालमेल की सार्वजनिक रूप से तारीफ करना राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जिला अध्यक्षों के परिवारों से भी मिले राहुल

इस कार्यक्रम की एक खास बात यह रही कि जिला अध्यक्षों के परिवार के सदस्यों को भी इसमें शामिल किया गया। राजस्थान और दिल्ली के कुल 65 जिला अध्यक्षों के परिवारों ने कार्यक्रम में भाग लिया। राहुल गांधी ने सभी परिवारों से मुलाकात की, उनसे बातचीत की और सामूहिक फोटो भी खिंचवाई। पार्टी सूत्रों के मुताबिक राहुल ने संगठन को मजबूत बनाने में परिवारों के योगदान की भी सराहना की। डीडवाना-कुचामन कांग्रेस से जुड़े वरिष्ठ नेता मोहम्मद रमजान ने राहुल गांधी से मुलाकात के दौरान पुराने दिनों की यादें साझा कीं। उन्होंने बताया कि शुरुआती चुनावों के दौरान कार्यकर्ताओं ने किस तरह मेहनत कर पार्टी को मजबूत करने का काम किया था।

ढाई साल बाद राजस्थान बीजेपी में संगठन महामंत्री की नियुक्ति

» यूपी के अजेय कुमार को दिया जिम्मा; सभी गुटों को एक करना बड़ी चुनौती

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी ने लंबे इंतजार के बाद राजस्थान में संगठन महामंत्री की नियुक्ति कर दी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्देश पर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने अजेय कुमार को राजस्थान का नया संगठन महामंत्री नियुक्त किया है। यह पद करीब ढाई साल से खाली था, जिसके चलते प्रदेश संगठन में समन्वय की कमी साफ तौर पर देखी जा रही थी। नव नियुक्त संगठन महामंत्री अजेय कुमार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के सहारनपुर के निवासी हैं। वे अब तक उत्तराखंड में प्रदेश संगठन महामंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। जनवरी 2024 में तत्कालीन संगठन महामंत्री चंद्रशेखर के तेलंगाना स्थानांतरण के बाद से राजस्थान में यह महत्वपूर्ण पद रिक्त था। लंबे समय तक संगठन महामंत्री नहीं होने के कारण प्रदेश भाजपा में गुटबाजी बढ़ती चली गई। पार्टी कई धड़ों में बंटी नजर आ रही थी, जिससे संगठनात्मक फैसलों और जमीनी गतिविधियों पर असर पड़ा। ऐसे में विधानसभा चुनाव से लगभग ढाई साल पहले की गई यह नियुक्ति बेहद अहम मानी जा रही है। अजेय कुमार के सामने सबसे बड़ी चुनौती पार्टी के विभिन्न गुटों में समन्वय स्थापित करना और सभी को एक मंच पर लाना होगा।

बाबू सड़कों पर उतरे, शुरू हुआ स्वाभिमान बचाओ आंदोलन

» जुलाई में कार्य बहिष्कार और जयपुर कूच की चेतावनी

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो

हनुमानगढ़। पंचायतीराज मंत्रालयिक कर्मचारी संगठन (राजस्थान) की उपशाखा पंचायत समिति हनुमानगढ़ के बैनर तले मंत्रालयिक कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों के समाधान के लिए चरणबद्ध आंदोलन की शुरुआत कर दी है। आंदोलन के तहत कर्मचारी सड़कों पर उतर आए हैं और सरकार से शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की मांग कर रहे हैं। सोमवार को संगठन के बैनर तले मांगों के संबंध में ज्ञापन सौंपा गया। संगठन के प्रदेश प्रवक्ता नीपेन शर्मा ने बताया कि पंचायती राज संस्थाओं में कार्यरत मंत्रालयिक कर्मचारियों की विभिन्न मांगें लंबे समय से लंबित हैं, लेकिन विभाग की ओर से अपेक्षित संवेदनशीलता नहीं दिखाई जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर के करीब 16 हजार मंत्रालयिक कर्मचारी पिछले ढाई वर्षों से अपनी न्यायोचित मांगों के समाधान की प्रतीक्षा कर रहे हैं। संगठन की प्रमुख मांगों में उत्तराखंड पैटर्न लागू करना, कैडर रिव्यू, स्वतंत्र कार्य विभाजन, नोशनल लाभ तथा अंतरजिला स्थानांतरण सहित अन्य मांगें शामिल हैं। इन मांगों को लेकर प्रदेशव्यापी ज्ञापन भी सौंपा गया है। पदाधिकारियों ने बताया कि घोषित कार्यक्रम के तहत आगामी दिनों में जिला एवं ब्लॉक स्तर पर प्रचार-प्रसार अभियान, ज्ञापन, संवाद कार्यक्रम, पेन डाउन आंदोलन, सद्बुद्धि यज्ञ तथा जयपुर कूच जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि मांगों का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो 1 जुलाई से प्रदेशभर में संपूर्ण कार्य बहिष्कार शुरू किया जाएगा। इसके बाद 6 जुलाई को जयपुर में मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा। वहीं 7 जुलाई को जलमहल पर प्रेस वार्ता और सामूहिक जल समाधि जैसे आंदोलनात्मक कार्यक्रम भी प्रस्तावित हैं। संगठन के पदाधिकारियों ने राज्य सरकार से मंत्रालयिक कर्मचारियों की मांगों पर सकारात्मक एवं त्वरित निर्णय लेने की अपील करते हुए कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान होने से पंचायतीराज संस्थाओं के प्रशासनिक कार्यों में अधिक दक्षता और पारदर्शिता आएगी।

राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव की प्रक्रिया शुरू, 8 जून तक नामांकन

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो. जयपुर। राज्यसभा के द्विवार्षिक निर्वाचन की प्रक्रिया सोमवार से विधिवत शुरू हो गई है। इस निर्वाचन के तहत राजस्थान से राज्यसभा के तीन सदस्यों का चुनाव किया जाएगा। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार अभ्यर्थी 8 जून तक अपने नाम निर्देशन पत्र दाखिल कर सकते हैं। राज्यसभा चुनाव के लिए राजस्थान विधानसभा के निर्वाचित सदस्य मतदान करेंगे। द्विवार्षिक निर्वाचन के लिए नियुक्त रिटर्निंग ऑफिसर भारत भूषण शर्मा ने बताया कि नाम निर्देशन पत्र राजस्थान विधानसभा के कक्ष संख्या 106 में प्रस्तुत किए जाएंगे। नामांकन की प्रक्रिया प्रातः 11 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक चलेगी, जिसमें अभ्यर्थी स्वयं या उनके प्रस्तावक नामांकन दाखिल कर सकेंगे। नाम निर्देशन पत्रों की जांच 9 जून को दोपहर 1.30 बजे की जाएगी। यह प्रक्रिया राजस्थान विधानसभा भवन के भूतल स्थित कक्ष संख्या 751 में संपन्न होगी। जांच के बाद वैध अभ्यर्थियों की सूची जारी की जाएगी। चुनाव प्रक्रिया के तहत अभ्यर्थियों को नाम वापस लेने का अवसर भी दिया गया है। इच्छुक अभ्यर्थी 11 जून को दोपहर 3 बजे तक अपनी अभ्यर्थिता वापस ले सकते हैं। इसके बाद चुनाव की अगली प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव को लेकर राजनीतिक हलकों में भी गतिविधियां तेज हो गई हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर 6 जून को लौटेंगे भारत

शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को लेकर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेंगे

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके 6 जून को भारत लौटेंगे। इसके बाद वे दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेंगे। इस प्रदर्शन में वे शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग करेंगे। दिपके ने इसकी जानकारी अपने एक्स अकाउंट 'कॉकरोच इज बैक' पर दी है। कॉकरोच जनता पार्टी एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है, जो भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत की हालिया कॉकरोच टिप्पणी के बाद सामने आया। सीजेपी के इंस्टाग्राम पर 2 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। 30 साल के अभिजीत दिपके महाराष्ट्र के संभाजी नगर के रहने वाले डिजिटल मीडिया स्ट्रैटेजिस्ट हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभिजीत ने पुणे से पत्रकारिता की पढ़ाई की है। फिलहाल वो अमेरिका की बोस्टन यूनिवर्सिटी में पब्लिक रिलेशन से मास्टर्स की पढ़ाई कर रहे हैं।

सम्पादकीय

'फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स' के अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक निहितार्थ

'लचीली भूराजनीति' यानी फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स का जन्मदाता भारत की देखा-देखी अब पूरी दुनिया में इसका प्रचलन बढ़ रहा है। इसे मोदी डॉक्ट्रिन कहना ज्यादा उचित होगा, जो गुटनिरपेक्षता का हाइब्रिड पालिसी संस्करण है। आम कहानी वाली भाषा में कहें तो 'खुल जा सिमसिम और बंद हो जा सिमसिम' वाली वैश्विक कूटनीति ही अब लचीली भूराजनीतिक बन चुकी है। दरअसल, फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स यानी लचीली भूराजनीति का अर्थ ऐसी अवसरवादी विदेश नीति से है, जिसमें देश अपने हित के अनुसार कभी दोस्ती का दरवाज़ा खोलते हैं और कभी तुरंत बंद कर लेते हैं। आज की दुनिया में यही ÷फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स÷ तेजी से बढ़ रही है। जिसके सफल उपयोगकर्ता टीम पीएम मोदी हैं। इसका सबसे बड़ा लाभ भारत जैसे उन देशों को होता है जो आर्थिक रूप से शक्तिशाली हों, तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर हों, सैन्य रूप से सक्षम हों, और बहुध्रुवीय दुनिया में संतुलन साधना जानते हों। यही वजह है कि भारत इसे अपनाकर दुनिया के शीर्षस्थ देशों की कतार में शामिल होने की दिशा में बढ़ता जा रहा है। सवाल है कि आखिर इससे किसका भला होगा? तो इसके कई जवाब होंगे, जिनमें पहला है महाशक्तियों का सबसे अधिक लाभ- संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और आंशिक रूप से रूस-भारत जैसी शक्तियाँ इस नीति से सबसे अधिक फायदा उठाती हैं। पूर्वक सवाल है क्यों? तो सीधा सा जवाब है कि वे परिस्थितियों के अनुसार गठबंधन बदल सकती हैं। आर्थिक प्रतिबंधों, सैन्य दबाव और तकनीकी नियंत्रण का इस्तेमाल कर सकती हैं। ÷मित्र÷ और ÷प्रतिद्वंद्वी÷ दोनों से व्यापार जारी रख सकती हैं। उदाहरण- अमेरिका, चीन से प्रतिस्पर्धा भी करता है और व्यापार भी। चीन रूस का साझेदार है लेकिन पश्चिमी बाजार भी नहीं छोड़ना चाहता। वहीं, रूस पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद एशियाई देशों से संबंध मजबूत कर रहा है। दूसरा, मध्यम शक्तियों का भी फायदा- भारत, तुर्किये, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे देश 'मल्टी-अलाइनमेंट' नीति से लाभ उठा रहे हैं। भारत इसका बड़ा उदाहरण है, जो क्वाड में भी है, ब्रिक्स में भी, रूस से रक्षा सहयोग भी रखता है, और अमेरिका से तकनीकी साझेदारी भी बढ़ाता है। इससे रणनीतिक स्वतंत्रता बनी रहती है, निवेश कई दिशाओं से आता है, और वैश्विक मंचों पर प्रभाव बढ़ता है। तीसरा, कॉर्पोरेट और टेक कंपनियों को बड़ा लाभ- एप्पल, टेस्ला , माइक्रोसॉफ्ट जैसी वैश्विक कंपनियां देशों की प्रतिस्पर्धा का लाभ उठाती हैं। क्योंकि देश उन्हें निवेश आकर्षित करने के लिए टैक्स छूट देते हैं, सप्लाई चेन अपने यहां लाने की कोशिश करते हैं, और टेक्नोलॉजी कंपनियों को रणनीतिक साझेदार मानते हैं। पहला, छोटे और कमजोर देशों का- अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और छोटे एशियाई देशों पर दबाव बढ़ता है कि वे किसी एक खेमे का समर्थन करें। वे कर्ज जाल, प्रतिबंध, राजनीतिक दबाव, और सामरिक प्रतिस्पर्धा के बीच फंस जाते हैं। दूसरा, वैश्विक स्थिरता का- ऐसी कूटनीति में भरोसा कम होता है। देश स्थायी मित्र नहीं बल्कि 'तात्कालिक हित' देखते हैं। इससे युद्धों की आशंका बढ़ती है, व्यापारिक तनाव बढ़ता है, और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं कमजोर पड़ती हैं। वहीं, भारत के लिए यह दौर अवसर भी है और चुनौती भी। यदि भारत नवाचार, निर्माण, रक्षा आत्मनिर्भरता, ऊर्जा सुरक्षा, और तकनीकी क्षमता को मजबूत करता है, तो वह इस बदलती दुनिया में 'संतुलनकारी शक्ति' बन सकता है। लेकिन यदि आर्थिक और तकनीकी शक्ति पर्याप्त न हो, तो ऐसी 'खुल जा सिमसिम' कूटनीति में बड़े देश छोटे देशों को केवल रणनीतिक मोहरे की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। निष्कर्षत- यह कहा जा सकता है कि इस प्रकार की वैश्विक कूटनीति का सबसे बड़ा लाभ उन्हीं देशों और कंपनियों को मिलेगा जिनके पास शक्ति, पूँजी, तकनीक और विकल्प हैं। जबकि कमजोर देशों के लिए यह अनिश्चितता, दबाव और निर्भरता का नया युग भी बन सकता है।

प्रदेश स्तरीय समीक्षा बैठक में संगठन विस्तार पर मंथन

» मदन लाल मेघवाल प्रदेश अध्यक्ष व संतोष पूनिया जिलाध्यक्ष नियुक्त

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो

हनुमानगढ़। भीम आर्मी भारत एकता मिशन की प्रदेश स्तरीय समीक्षा बैठक जंक्शन स्थित डॉ. अंबेडकर भवन में आयोजित की गई। संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट विजय कुमार आजाद की मौजूदगी में सम्पन्न हुई बैठक में प्रदेश भर से आए पदाधिकारियों के कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान संगठन को अधिक मजबूत और सक्रिय बनाने के उद्देश्य से प्रदेश कमेटी में महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए मदन लाल मेघवाल को राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं हनुमानगढ़ जिले में एडवोकेट संतोष पूनिया को अध्यक्ष नियुक्त किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट विजय कुमार आजाद ने कहा कि संगठन का किसी भी राजनीतिक दल से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने बताया कि संगठन सामाजिक, आर्थिक और सत्ता परिवर्तन से जुड़े मुद्दों पर समाज के कमजोर, शोषित और वंचित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई लड़ रहा है और भविष्य में भी इसी दिशा में कार्य करता रहेगा। उन्होंने कहा कि 7 जून 2019 को सहारनपुर में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान चंद्रशेखर आजाद, विनय रतन, कमल वालिया और मनजीत नौटियाल को संगठन से निष्कासित किया जा चुका है, इसलिए उनका संगठन से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग संगठन के नाम और पहचान का दुरुपयोग कर समाज को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। बैठक में निर्णय लिया गया कि संगठन के नाम और लोगो का फर्जी तरीके से उपयोग करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करवाई जाएगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष एडवोकेट संतोष पूनिया को ऐसे मामलों में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिए। कार्यक्रम के दौरान कई लोगों ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की और महापुरुषों के विचारों एवं मिशन को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। बैठक में राजस्थान में सामाजिक अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष को और तेज करने तथा संगठन को गांव-गांव तक मजबूत बनाने का भी संकल्प लिया गया। बैठक में मौजूद पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सामाजिक न्याय, समानता और संगठनात्मक मजबूती के लिए मिलकर कार्य करने का भरोसा जताया। बैठक में सुमेर सिंह, रामप्रताप भरनावा, दलीप मेघवाल, रांझासिंह, सुनील मेघवाल, कलावती देवी, सुखपाल कौर, वीरपाल कौर, जसवीर, कोमल शर्मा, शिवा मेहरड़ा मौजूद रहे।

सहकारिता मंत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग

» डूंगला प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो

हनुमानगढ़। राजस्थान सेवानिवृत्त पुलिस कल्याण संस्थान ने सहकारिता मंत्री गौतम दक के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर सोमवार को राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम जिला कलक्टर और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मंत्री पर डूंगला थाना प्रकरण में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ कथित दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया गया है। संस्थान के जिलाध्यक्ष आनंद स्वामी के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि 25 मई को चित्तौड़गढ़ जिले के डूंगला थाना क्षेत्र में कर्तव्य निर्वहन कर रहे थाना प्रभारी और पुलिस कर्मियों के साथ सहकारिता मंत्री की ओर से कथित रूप से गाली-गलौज, अमर्यादित व्यवहार तथा अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया गया। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि संवैधानिक पद पर आसीन मंत्री की ओर से इस प्रकार का व्यवहार न केवल सरकारी कर्मचारियों के सम्मान के विपरीत है, बल्कि इससे प्रदेश के कर्मचारियों, पेंशनर्स और आमजन में भी रोष व्याप्त हुआ है। संस्थान ने ज्ञापन के माध्यम से दो प्रमुख मांगें रखी हैं। पहली, मंत्री की ओर से पद की शपथ के कथित उल्लंघन को आधार बनाकर उन्हें तत्काल मंत्री पद से हटाया जाए। दूसरी, डूंगला थाने में दर्ज मुकदमे की निष्पक्ष जांच शीघ्र पूरी कर दोषी पाए जाने पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाए। ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि यदि 15 दिनों के भीतर इस मामले में प्रभावी और ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो प्रदेश के सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों, अन्य कर्मचारियों तथा आमजन के सहयोग से आंदोलन शुरू किया जा सकता है। राजस्थान सेवानिवृत्त पुलिस कल्याण संस्थान ने सरकार से मामले को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की। इस मौके पर जोगेन्द्र सिंह, नानक सिंह, अतरसिंह, काशीराम मूंड, इंद्र सिंह, महेंद्र सिंह, राजेंद्र डूडी, सोहनलाल झोरड़, इंद्रचंद शर्मा, जगदीश सिंह, सुभाष बिश्नोई मौजूद रहे।

इतिहास विषय में 55.93 प्रतिशत अभ्यर्थी हुए शामिल

जिले के 12 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित हुई परीक्षा, 3345 में से 1474 अभ्यर्थी रहे अनुपस्थित

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो. हनुमानगढ़। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) की ओर से आयोजित व्याख्याता भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन सोमवार को इतिहास विषय की परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुई। जिले के 12 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित इस परीक्षा में 3345 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 1871 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 1474 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा में उपस्थिति प्रतिशत 55.93 दर्ज किया गया। सोमवार को आयोजित इतिहास विषय की परीक्षा सुबह 10 बजे से 11.30 बजे तक हुई। परीक्षा शुरू होने से पहले सभी केन्द्रों पर अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र, पहचान पत्र तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों की गहन जांच की गई। सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करते हुए परीक्षा केन्द्रों में प्रवेश दिया गया। परीक्षा के दौरान कई केन्द्रों पर निर्धारित समय के बाद पहुंचे अभ्यर्थियों को प्रवेश नहीं मिल सका। सोमवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और सख्त नियमों के बीच परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई तथा कहीं से भी किसी प्रकार की अव्यवस्था की सूचना नहीं मिली। आयोग के निर्देशानुसार समय सीमा के बाद किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केन्द्र में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। गौरतलब है कि व्याख्याता भर्ती परीक्षा 31 मई से शुरू होकर 5 जून तक चलेगी। जिले में परीक्षा के लिए कुल 42 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। परीक्षा को निष्पक्ष और व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के लिए प्रशासन, शिक्षा विभाग और पुलिस विभाग के अधिकारी लगातार निगरानी बनाए हुए हैं।

सरकारी महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया अंतिम चरण में, आवेदन की अंतिम तिथि 6 जून

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो

रावतसर। 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों से समय रहते आवेदन करने की अपील, 9 जून को चयन सूची जारी होगी उच्च शिक्षा प्राप्त करने का सपना संजोए विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण सूचना है। राजकीय महाविद्यालय, रावतसर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रथम वर्ष कला एवं विज्ञान संकाय में प्रवेश आवेदन की अंतिम तिथि 6 जून निर्धारित की गई है। महाविद्यालय प्रशासन ने सभी पात्र विद्यार्थियों से समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करने का आग्रह किया है। महाविद्यालय के प्राचार्य सुरेन्द्र कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि महाविद्यालय में कला संकाय के अंतर्गत भूगोल, इतिहास, हिंदी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र एवं अर्थशास्त्र विषयों का अध्ययन कराया जाता है। वहीं विज्ञान संकाय में वनस्पति शास्त्र, प्राणिशास्त्र, रसायनशास्त्र, भौतिक शास्त्र एवं गणित विषय उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों के लिए महाविद्यालय में पर्याप्त शैक्षणिक एवं भौतिक सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का बेहतर वातावरण मिल सके। प्रवेश के लिए चयनित विद्यार्थियों की मुख्य सूची एवं प्रतीक्षा सूची 9 जून को जारी की जाएगी। चयनित विद्यार्थियों को 13 जून तक महाविद्यालय में अपने मूल दस्तावेजों का सत्यापन करवाकर ई-मित्र केंद्र के माध्यम से निर्धारित शुल्क जमा करवाना अनिवार्य होगा। यदि कोई विद्यार्थी निर्धारित समयावधि में दस्तावेज सत्यापन नहीं करवाता या फीस जमा नहीं करता है, तो उसका प्रवेश स्वतः निरस्त माना जाएगा। महाविद्यालय प्रशासन ने विशेष रूप से उन विद्यार्थियों से अपील की है जिन्होंने 12वीं कक्षा उत्तीर्ण कर ली है लेकिन अभी तक प्रवेश आवेदन नहीं किया है, वे शीघ्र ही अपने नजदीकी ई-मित्र केंद्र पर जाकर आवेदन प्रक्रिया पूरी करें ताकि उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर हाथ से न निकल जाए।

प्रथम पेज का शेष...

31 जुलाई तक...

है। कांग्रेस शासनकाल में ओबीसी गणना नहीं हुई थी, इसलिए नई सरकार बनने के बाद ओबीसी आयोग का गठन किया गया।

निर्वाचन आयोग और सरकार के सामने चुनौती: चुनाव विशेषज्ञों के अनुसार राज्य निर्वाचन आयोग के सामने सबसे बड़ी परेशानी यह है कि इतने कम समय में बिना आरक्षण रिपोर्ट के चुनाव कैसे कराए जाएं। आयोग को एससी, एसटी और महिला आरक्षण से जुड़ा डेटा भी चाहिए, जो अभी तक सरकार की ओर से पूरी तरह उपलब्ध नहीं कराया गया है। माना जा रहा है कि इस स्थिति में राज्य सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग, दोनों सुप्रीम कोर्ट का रुख कर सकते हैं और समय सीमा बढ़ाने की मांग कर सकते हैं।

हाईकोर्ट का सख्त रुख: राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने साफकहा है कि पंचायत और निकाय चुनावों में देरी के लिए बहाने स्वीकार नहीं किए जाएंगे। कोर्ट ने टिप्पणी की कि बारिश या भीषण गर्मी जैसे तर्क राजस्थान में मान्य नहीं हैं। चुनाव कराना सरकार का वैधानिक और अनिवार्य कर्तव्य है। अब गेंद राज्य सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग के पाले में है। या तो वे सुप्रीम कोर्ट का रुख करेंगे, या फिर बिना ओबीसी आरक्षण के पंचायत चुनाव कराए जाएंगे। लेकिन एक बात साफहै कि 31 जुलाई की डेडलाइन के करीब आते ही राजस्थान की सियासत और प्रशासन दोनों पर दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान में किसानों को जल संरक्षण और प्राकृतिक खेती का संदेश

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो

हनुमानगढ़। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026 के तहत सोमवार को हनुमानगढ़ टाउन के फतेहगढ़ मोड़ स्थित राजकीय कृषि महाविद्यालय परिसर में जिला स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उद्यान विभाग द्वारा सौर ऊर्जा एवं सूक्ष्म सिंचाई संयंत्रों के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले दो वेंडर्स तथा जल एवं ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले दो प्रगतिशील किसानों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। जिला परिषद सीईओ ओपी बिश्नोई ने किसानों से कम जल मांग वाली फसलों और मोटे अनाज की खेती को बढ़ावा देने, 'आपणो खेत-आपणी खाद' की अवधारणा अपनाने तथा प्राकृतिक एवं जैविक खेती को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में किसानों को 0समृद्ध किसान, खुशहाल राजस्थान' पुस्तिका वितरित की गई तथा कृषि (विस्तार) संयुक्त निदेशक डॉ. प्रमोद कुमार ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में जिला परिषद सीईओ ओपी बिश्नोई, कृषि (आत्मा) उप निदेशक डॉ. सुभाष चंद्र डूडी, उद्यान उपनिदेशक डॉ. रमेश चंद्र बराला, कृषि सहायक निदेशक साहबराम गोदारा, राजेंद्र बेनीवाल, जनप्रतिनिधि भारतभूषण शर्मा, झमनलाल शर्मा, सुशील जोशी, सेवानिवृत्त उप निदेशक कृषि जयनारायण बैनीवाल सहित कृषि, उद्यान एवं पशुपालन विभाग के अधिकारियों तथा बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया।

जल संरक्षण और वर्षा जल संग्रहण पर दिया जोर

कार्यक्रम में सहायक निदेशक कृषि बलकरण सिंह ने अभियान की रूपरेखा एवं उद्देश्यों की जानकारी देते हुए किसानों से मानसून पूर्व प्राकृतिक जल स्रोतों, सिंचाई डिग्गियों, फार्म पॉन्ड और सिंचाई खालों की सफाई एवं मरम्मत करवाने का आह्वान किया। उन्होंने घरों की छतों से बहने वाले वर्षा जल को जलकुंडों में संग्रहित करने तथा जल की बर्बादी रोकने के उपाय बताए। कृषि अनुसंधान अधिकारी डॉ. राधेश्याम एवं कृषि विज्ञान केंद्र संगरिया के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. चंद्रशेखर शर्मा ने जल संरक्षण तकनीकों, फसलों की जल मांग और सिंचाई प्रबंधन की विस्तृत जानकारी दी।

जैविक खेती और लागत घटाने के उपाय बताए

सेवानिवृत्त उप निदेशक कृषि जयनारायण बैनीवाल ने किसानों को खेती की लागत कम कर उत्पादन बढ़ाने के उपाय बताए। संयुक्त निदेशक पशुपालन डॉ. आनंद स्वरूप ने बताया कि सड़कों पर घूमने वाले निराश्रित पशुओं को गौशालाओं में पहुंचाने के लिए सरकार बड़े पशुओं पर 50 रुपये तथा छोटे पशुओं पर 25 रुपये का अनुदान दे रही है।

जिला स्तरीय नेटबॉल प्रतियोगिता में मोधुनगर का शानदार प्रदर्शन

» गर्ल्स और बॉयज़ दोनों वर्गों में हासिल किया प्रथम स्थान

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो

हनुमानगढ़। स्थानीय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दौलतपुरा में आयोजित जिला स्तरीय नेटबॉल जूनियर एवं सीनियर प्रतियोगिता में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मोधुनगर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गर्ल्स और बॉयज़ दोनों वर्गों में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी खेल प्रतिभा का लोहा मनवाया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने उत्साह और खेल भावना के साथ हिस्सा लिया, जिससे पूरे आयोजन में रोमांच बना रहा। प्रतियोगिता में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय किकरालिया, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मोधुनगर, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रतनपुरा तथा मेजबान राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दौलतपुरा की टीमों ने भाग लिया। सभी टीमों के बीच मुकाबले बेहद रोमांचक और प्रतिस्पर्धात्मक रहे। खिलाड़ियों ने शानदार तालमेल, अनुशासन और खेल कौशल का परिचय देते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। गर्ल्स वर्ग के मुकाबलों में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मोधुनगर की टीम ने बेहतरीन रणनीति और शानदार खेल प्रदर्शन के दम पर पहला स्थान हासिल किया। फाइनल मुकाबले में खिलाड़ियों ने आक्रामक और संतुलित खेल दिखाते हुए जीत दर्ज की। वहीं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय किकरालिया की टीम ने भी अच्छा प्रदर्शन किया और उपविजेता बनकर दूसरा स्थान प्राप्त किया। बॉयज़ वर्ग में भी मोधुनगर की टीम का दबदबा देखने को मिला। खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं मेजबान राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दौलतपुरा की टीम ने भी दमदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान प्राप्त किया। मुकाबलों के दौरान खिलाड़ियों के उत्साह और जोश ने प्रतियोगिता को यादगार बना दिया। प्रतियोगिता के दौरान नेटबॉल संयोजक कुलवंत सिंह नुकेरा, जनक सिंह, गुरमेल सिंह, हरविंदर सिंह, रजत कुमार तथा सुमन महला सहित कई खेल प्रेमी और शारीरिक शिक्षक मौजूद रहे। अतिथियों ने विजेता और उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

शराब ठेके के कर्मचारियों पर हमला, कपड़े उतरवाकर मारपीट का आरोप

» हिस्ट्रीशीटर समेत कई लोगों पर एससीएसटी एक्ट सहित कई धाराओं में एफआईआर

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो

हनुमानगढ़। तलवाड़ा झील पुलिस थाना में शराब ठेके के कर्मचारियों के साथ मारपीट, जातिसूचक गालियां देने, कपड़े उतरवाकर अपमानित करने तथा वाहन में तोड़फोड़ करने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर आरोपियों सहित कई लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और एससीएसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार सिरसा जिले के दलीपनगर निवासी अशोक (19) पुत्र चन्द्रभान धाणक ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि वह पिछले चार माह से कुबेर वाइन्स ग्रुप में कार्यरत है। 29 मई की शाम करीब 6 बजे वह अपने साथियों पवन कुमार, राजेश, गुरदीप और दीपांशु के साथ बोलेरो वाहन में मिर्जावाली मेर स्थित शराब दुकान पर माल पहुंचाने गया था। शराब की पेटियां उतारकर सभी कर्मचारी वापस मसीतांवाली हैड की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान गांव के मंदिर के पास ललित उर्फ धोलू भादू ने मोटर साइकिल लगाकर उनकी गाड़ी रुकवा दी। इसके बाद मंदिर की दीवार फांदकर 10 से 12 युवक लाठी-डंडों के साथ मौके पर पहुंचे, जिनमें नरेश भादू, सुभाष कस्वां, विजय, प्रमोद भादू सहित अन्य शामिल थे। सभी ने गाड़ी में सवार कर्मचारियों को नीचे उतार लिया और जातिसूचक गालियां देते हुए मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने वाहन में भी तोड़फोड़ की। राजेश और गुरदीप के कपड़े उतरवाकर उन्हें बोलेरो के बोनट पर बैठा दिया गया तथा लाठी-डंडों और मुक्कों से मारपीट की गई। एक आरोपी ने हाथ का कड़ा निकालकर गुरदीप पर हमला किया। जब पवन कुमार ने विरोध किया तो उस पर भी हमला किया गया। नरेश भादू के पास धारदार हथियार था और अन्य लोग लाठियों से लैस थे। पवन किसी तरह मौके से भागकर जान बचाने में सफल रहा। घटना में पवन, गुरदीप और राजेश को गंभीर चोटें आईं, जिन्हें पहले टिब्बी के सरकारी अस्पताल ले जाया गया और बाद में हनुमानगढ़ रेफर कर दिया गया। पुलिस रिकॉर्ड के हवाले से परिवादी ने आरोप लगाया कि नरेश भादू और ललित उर्फ धोलू भादू के खिलाफ पहले भी हत्या, लूट, एनडीपीएस, आर्म्स एक्ट और मारपीट सहित अनेक मामले दर्ज हैं। रिपोर्ट के अनुसार दोनों आरोपियों को पूर्व में हत्या के मामलों में सजा भी हो चुकी है और वे वर्तमान में जमानत पर बाहर हैं। पुलिस रिकॉर्ड की जांच में नरेश भादू के खिलाफ 11 तथा ललित उर्फ धोलू के खिलाफ 12 आपराधिक प्रकरण दर्ज होना पाया गया। दोनों थाना के हिस्ट्रीशीटर बताए गए हैं। तलवाड़ा झील थाना पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता तथा एससीएसटी अत्याचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

नहर का डॉवल तोड़कर पानी चोरी

» खेत की डिग्गी तक मिली भूमिगत पाइप लाइन, एफआईआर

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो

हनुमानगढ़। चौधरी कुम्भाराम आर्य लिफ्ट नहर से कथित रूप से पानी चोरी कर खेतों की सिंचाई करने का मामला सामने आया है। नहरी पानी सुरक्षा एवं चोरी निरोधक थाना, नोहर में इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार सर्वे एवं अन्वेषण लिफ्ट उपखंड द्वितीय, रावतसर के सहायक अभियंता शिव कुमार चौहान पुत्र दलीप कुमार चौहान निवासी नया गांव पीएस रूपवास जिला भरतपुर ने थाना में रिपोर्ट पेश कर बताया कि 28 मई को अधिशाषी अभियंता के निर्देश पर विभागीय टीम ने चौधरी कुम्भाराम आर्य लिफ्ट नहर पर निरीक्षण एवं गश्त की। निरीक्षण के दौरान नहर के किलोमीटर 45.950 पर दाईं पटरी पर पानी फैला हुआ मिला तथा पाइप के निशान दिखाई दिए। जांच में नहरी भूमि में भूमिगत पाइप लाइन मिली, जिसे ट्रेस करने पर वह खसरा संख्या 398/1 स्थित खेत तक जाती पाई गई। राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार यह भूमि रोहताश पुत्र हुकमाराम एवं अन्य के नाम दर्ज है। अधिकारियों ने पाइप लाइन का पीछा करते हुए आगे जांच की तो खसरा संख्या 401 में भूमिगत पाइप लाइन से निकला नक्का दो खालों से जुड़ा मिला। इनमें से एक खाला खेत में बनी डिग्गी तक पहुंच रहा था। मौके पर खालों में ताजा पानी बहने के निशान मिले तथा डिग्गी के पास खड़ी फसल में हाल ही में सिंचाई किए जाने के प्रमाण भी पाए गए। विभागीय टीम का आरोप है कि अज्ञात दोषियों ने नहर का पक्का डॉवल और पटड़ा तोड़कर अवैध रूप से पानी चोरी किया तथा सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। मौके से डिग्गी और नहर के पानी के नमूने लिए गए। साथ ही बरामद पाइपों को जब्त कर पुलिस के सुपुर्द किया गया। मामले में आबपाशी रिपोर्ट, जमाबंदी प्रतियां, क्षति का तखमीना तथा अन्य दस्तावेज पुलिस को सौंपे गए हैं। प्रकरण में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं तथा सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम की धारा के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच थाना प्रभारी एसआई हनुमान प्रसाद को सौंपी गई है। जांच के आधार पर दोषी व्यक्तियों की भूमिका निर्धारित कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दहेज में स्कॉर्पियो और 10 लाख रुपए की मांग

» जान से मारने की कोशिश और प्रताड़ना के भी लगाए आरोप

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो

हनुमानगढ़। एक विवाहिता ने अपने पति, सास और ननद पर दहेज की अतिरिक्त मांग को लेकर प्रताड़ित करने, मारपीट करने तथा घर से निकालने का आरोप लगाते हुए टिब्बी पुलिस थाना में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार गांव पन्नीवाली निवासी पूजा (30) पत्नी सुभाष सुथार ने अपने पिता मोहनलाल के साथ उपस्थित होकर रिपोर्ट दी कि उसकी शादी 30 अप्रैल 2025 को तहसील टिब्बी के ही गांव रामपुरा मटोरिया निवासी सुभाष पुत्र धर्मपाल सुथार के साथ हुई थी। विवाह के दौरान उसके परिवार की ओर से कार, नकदी, सोने-चांदी के आभूषण, घरेलू सामान सहित लाखों रुपये का दहेज दिया गया था। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि शादी के करीब तीन माह बाद पति सुभाष, सास कैलाश देवी और ननद रानी ने अतिरिक्त दहेज की मांग शुरू कर दी। आरोपियों की ओर से स्कॉर्पियो गाड़ी, 10 लाख रुपए नकद और सोने का कड़ा लाने के लिए दबाव बनाया जाता था तथा मांग पूरी नहीं होने पर प्रताड़ित किया जाता था। पूजा ने बताया कि उसके पिता मोहनलाल और भाई जयपाल कई बार ससुराल पक्ष को समझाने गए, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। आरोप है कि 31 मई 2026 को पति, सास और ननद ने उसके साथ मारपीट की। उसके मुंह में जबरन उंगलियां डालकर कपड़ा दबाया गया तथा चुन्नी से गला दबाने का प्रयास किया गया। महिला के अनुसार उसने मौका पाकर अपने पिता और भाई को फोन कर सहायता मांगी। इसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे और समझाइश का प्रयास किया, लेकिन आरोपियों ने कथित रूप से कहा कि उनकी मांगें पूरी किए बिना वे उसे नहीं रखेंगे। इसके बाद विवाहिता को घर से निकाल दिया गया तथा उसका स्त्रीधन भी अपने कब्जे में रख लिया गया। रिपोर्ट और चोटों के आधार पर पुलिस ने पति सुभाष, सास कैलाश देवी और ननद रानी के खिलाफ बीएनएस की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच थाना प्रभारी हंसराज लूणा की ओर से की जा रही है। पुलिस ने बताया कि चिकित्सीय परीक्षण और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लोन दिलाने का झांसा देकर दस्तावेज और बैंक खाता हड़पने का आरोप

» कोर्ट के आदेश पर मामला दर्ज

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो

पीलीबंगा। व्यवसाय विस्तार के लिए लोन दिलाने का झांसा देकर एक युवक से बैंक खाता, एटीएम कार्ड, मोबाइल सिम और जरूरी दस्तावेज हासिल करने तथा बाद में कथित रूप से धोखाधड़ी करने के आरोप में पीलीबंगा पुलिस थाना में मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई न्यायालय के आदेश पर की गई है। पुलिस के अनुसार रामपुरा रंगमहल निवासी छोटूराम पुत्र चिमनाराम ने न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत कर आरोप लगाया कि जनवरी 2025 में उसका रिश्तेदार सोनू कुमार पुत्र राजकुमार निवासी अरायन, केसरीसिंहपुर उससे मिला और फाइनेंस कंपनियों में अच्छी पहचान होने का दावा करते हुए व्यवसाय बढ़ाने के लिए बड़ा लोन दिलाने का भरोसा दिलाया। आरोपी की बातों पर विश्वास कर उसने अपने दस्तावेज उपलब्ध करा दिए। परिवाद में आरोप है कि आरोपी ने लोन प्रक्रिया का हवाला देकर उसके नाम से बैंक खाता खुलवाया तथा बैंक पासबुक, एटीएम कार्ड और मोबाइल सिम अपने पास रख लिए। बाद में कई बार संपर्क करने के बावजूद न तो लोन स्वीकृत करवाया गया और न ही दस्तावेज वापस लौटाए गए। आरोपी लगातार टालमटोल करता रहा। मामले ने तब नया मोड़ लिया जब मई 2025 में परिवादी को साइबर थाना गुरुग्राम से नोटिस मिला। नोटिस में बताया गया कि उसके बैंक खाते से संदिग्ध वित्तीय लेन-देन हुआ है तथा खाते से जुड़ी कुछ जानकारियां फर्जी पाई गई हैं। इसके बाद बैंक खाता भी फ्रीज कर दिया गया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उसे तब शक हुआ कि उसके दस्तावेज और बैंक खाते का गलत इस्तेमाल किया गया है। परिवादी ने आरोपी से जवाब मांगा तो उसे कथित तौर पर आश्वासन दिया गया कि खाता फिर से चालू हो जाएगा और लोन की प्रक्रिया जारी है। लेकिन समय बीतने के बावजूद कोई समाधान नहीं निकला। इसके बाद पीड़ित ने न्यायालय की शरण ली। अदालत के निर्देश पर पीलीबंगा पुलिस ने आरोपी सोनू कुमार के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धोखाधड़ी, धमकी और अन्य संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब दस्तावेजों, बैंक खाते और साइबर लेन-देन से जुड़े पहलुओं की पड़ताल कर रही है।

तीन महीने में तीसरी बार पीएम से मिले सीएम भजनलाल

» सरकार के कामकाज का दिया ब्यौरा, राज्यसभा चुनाव और मंत्रिमण्डल फेरबदल पर भी चर्चा

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो

जयपुर। सीएम भजनलाल शर्मा ने सोमवार को दिल्ली में पीएम नरेंद्र मोदी से मिले। लोक कल्याण मार्ग स्थित पीएम आवास में दोनों नेताओं की मुलाकात हुई। इस समय सीएम की पीएम से मुलाकात के मायने भी निकाले जा रहे हैं। दरअसल, आज ही करीब ढाई साल बाद केन्द्रीय नेतृत्व ने राजस्थान में संगठन महामंत्री की नियुक्ति की है। वहीं, एक-दो दिन में राज्यसभा चुनावों की सीटों पर प्रत्याशी की घोषणा भी होनी है। इसके साथ लंबे समय से प्रदेश में मंत्रिमण्डल फेरबदल भी लंबित चल रहा है। ऐसे में माना जा रहा है कि सीएम की सरकार के कामकाज के ब्यौरे के साथ पीएम के साथ राज्यसभा चुनाव और मंत्रिमंडल फेरबदल को लेकर भी चर्चा हुई है। सीएम भजनलाल की पीएम मोदी से तीन महीने में यह तीसरी मुलाकात हैं। इससे पहले सीएम ने 25 मार्च को संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। वहीं, उससे करीब एक माह पहले 28 फरवरी को पीएम मोदी अजमेर दौरे पर आए थे। उस समय भी सीएम की पीएम से मुलाकात हुई थी।

एक-दो दिन में राज्यसभा प्रत्याशियों की घोषणा

सीएम भजनलाल शर्मा की सोमवार को पीएम मोदी से मुलाकात इस मायने में भी खास हो जाती है कि आने वाले एक-दो दिनों में पार्टी राज्यसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों की घोषणा कर सकती है। ऐसे में संभावित उम्मीदवारों के नामों को लेकर भी पीएम मोदी ने सीएम भजनलाल शर्मा से फीडबैक लिया होगा। प्रदेश में राज्यसभा की तीन सीटों पर चुनाव है। संख्या के गणित के हिसाब से पार्टी दो सीटों पर जीत सकती है। एक सीट पर केन्द्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू को फिर से रिपीट किया जा सकता है। वहीं, दूसरी सीट पर राजेन्द्र राठौड़, सतीश पूनिया, अलका गुर्जर में से किसी एक को टिकट मिलने की संभावना है। हालांकि उद्योगपति नरसी कुलहरी का नाम भी चर्चाओं में बना हुआ है।

वंदे गंगा अभियान के तहत निकली साइकिल रैली

» एसडीएम ने दिखाई हरी झंडी, आमजन को दिलाई जल एवं पर्यावरण संरक्षण की शपथ

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो

हनुमानगढ़। राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार 25 मई से 5 जून तक संचालित वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत सुबह जिला मुख्यालय पर साइकिल रैली का आयोजन किया गया। प्रातः 6 बजे आयोजित रैली को हनुमानगढ़ उपखंड अधिकारी मांगीलाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली हनुमानगढ़ जंक्शन स्थित राजीव गांधी स्टेडियम से प्रारंभ होकर तिलक सर्किल, अम्बेडकर सर्किल, लाल चौक एवं परशुराम चौक होते हुए पुनः राजीव गांधी स्टेडियम पहुंची। जिला खेल अधिकारी शमशेर सिंह ने बताया कि रैली का उद्देश्य आमजन में वर्षा जल संरक्षण, जल स्रोतों के रखरखाव एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। साइकिल रैली के माध्यम से जल बचाने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का संदेश दिया गया। रैली में युवाओं, खिलाड़ियों, खेल प्रशिक्षकों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली में शामिल प्रतिभागियों के लिए श्रीगंगानगर दुग्ध उत्पादक संघ लिमिटेड, हनुमानगढ़ की ओर से मीठी एवं नमकीन छाछ की व्यवस्था की गई। प्रतिभागियों ने जल संरक्षण अभियान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताते हुए पर्यावरण संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। रैली के समापन पर उपखंड अधिकारी मांगीलाल ने सभी प्रतिभागियों एवं उपस्थित नागरिकों को जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि जल बचाना और पर्यावरण को सुरक्षित रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है तथा जनभागीदारी से ही ऐसे अभियानों को सफल बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि देवेंद्र पारीक, जनप्रतिनिधि विकास गुप्ता, भारत भूषण शर्मा, नगर परिषद आयुक्त सुरेंद्र यादव, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी पन्नालाल कड़ेला, जल संसाधन विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं जोधपुर विद्युत वितरण निगम के वरिष्ठ अधिकारी, सीओ स्काउट भारत भूषण, ओमप्रकाश सैन, अल्पकालीन प्रशिक्षक, शारीरिक शिक्षक तथा बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

नहर लाइनिंग कार्य पर किसानों ने उठाए सवाल, गुणवत्ता जांच की मांग

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो

हनुमानगढ़। जल संसाधन विभाग द्वारा एसएसडब्ल्यू नहर पर कराए जा रहे लाइनिंग कार्य को लेकर क्षेत्र के किसानों ने गंभीर आपत्ति जताई है। किसानों ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता और नहर के लेवल की निष्पक्ष तकनीकी जांच करवाने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि शिकायतों पर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो किसानों को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ सकता है। ग्राम पंचायत सहजीपुरा के प्रशासक संदीप सिंह ने बताया की जल संसाधन विभाग द्वितीय खंड हनुमानगढ़ एवं संबंधित ठेकेदार द्वारा नहर निर्माण कार्य स्वीकृत मानकों और डिजाइन के अनुरूप नहीं किया जा रहा है। ज्ञापन में कहा गया है कि नई लाइनिंग का कार्य पुरानी नहर के स्तर से भी नीचे किया जा रहा है, जिससे भविष्य में सिंचाई व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है। किसानों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य में तकनीकी खामियां रहीं तो इसका सीधा असर क्षेत्र की कृषि व्यवस्था पर पड़ेगा। प्रशासन सतपाल मान (सरपंच) ने बताया कि वे लंबे समय से निर्माण कार्य की निगरानी कर रहे हैं। इस संबंध में विभागीय अधिकारियों को कई बार मौखिक रूप से अवगत भी कराया गया, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। इसके बाद किसानों ने सामूहिक रूप से जिला प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की है। ज्ञापन में किसानों ने मांग की है कि मौके पर किसानों की समिति गठित कर नहर के लेवल एवं निर्माण गुणवत्ता की तकनीकी जांच करवाई जाए। किसानों का कहना है कि जांच पूरी होने तक निर्माण कार्य को रोका जाए। यदि जांच में कार्य संतोषजनक पाया जाता है तो निर्माण कार्य आगे जारी रखा जा सकता है। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी शिकायतों की अनदेखी की गई तो क्षेत्र के किसान आंदोलन करने को मजबूर होंगे। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में उत्पन्न होने वाले किसी भी विवाद या कानून-व्यवस्था संबंधी परिस्थिति के लिए संबंधित विभाग और प्रशासन जिम्मेदार होंगे।

प्रतिबंधित प्रेगाबलिन कैप्सूल के साथ एक गिरफ्तार

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो. हनुमानगढ़। गोलूवाला थाना पुलिस ने प्रतिबंधित प्रेगाबलिन कैप्सूल की अवैध बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 260 कैप्सूल बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार गोलूवाला थाना के हेड कांस्टेबल धर्मपाल रात्रि को मय पुलिस जाप्ता गश्त पर थे। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि गांव लोंगवाला निवासी एक व्यक्ति एमओडी नहर पुलिया के पास नहर पटरी पर प्रतिबंधित नशीले कैप्सूल बेच रहा है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो एक व्यक्ति हाथ में काले रंग की पॉलीथिन थैली लिए खड़ा दिखाई दिया। पुलिस को देखकर वह खेतों की ओर तेजी से जाने लगा, जिस पर उसे रोककर पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने अपना नाम सुन्दरलाल (40) पुत्र शेषकरण निवासी वार्ड नम्बर 4, लोंगवाला बताया। उसके हाथ में मौजूद थैली की तलाशी लेने पर उसमें प्रेगाबलिन के 26 पत्ते मिले। प्रत्येक पत्ते में 10-10 कैप्सूल होने से कुल 260 कैप्सूल बरामद हुए। पुलिस ने आरोपी से इन कैप्सूलों को रखने एवं बेचने संबंधी लाइसेंस, परमिट या चिकित्सकीय पर्ची के बारे में पूछताछ की, लेकिन वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।

हनुमानगढ़ में 4 घंटे सघन नाकाबंदी अभियान: संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की तलाशी

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो. हनुमानगढ़। हनुमानगढ़ में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ करने और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से सोमवार को विशेष नाकाबंदी अभियान चलाया गया। दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक जिले के सभी थाना क्षेत्रों में 'ए' श्रेणी की नाकाबंदी लागू रही। इस चार घंटे के अभियान में पुलिस ने प्रमुख मार्गों, प्रवेश बिंदुओं और संवेदनशील क्षेत्रों में वाहनों व संदिग्ध व्यक्तियों की सघन जांच की। यह अभियान जिला पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीना के नेतृत्व में संचालित हुआ। जिलेभर का पुलिस अमला इसमें सक्रिय रहा। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हनुमानगढ़ और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नोहर ने नाकाबंदी की निगरानी की। सभी थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में निर्धारित नाकाबंदी स्थलों पर मौजूद रहे, जबकि वृत्ताधिकारी भी संबंधित क्षेत्रों में व्यवस्था संभालते दिखे। विशेष नाकाबंदी के दौरान, पुलिस ने बाहरी जिलों और राज्यों से आने-जाने वाले वाहनों पर विशेष ध्यान दिया। कई स्थानों पर कारों, बसों, ट्रकों और दोपहिया वाहनों को रोककर उनकी गहन जांच की गई। पुलिस टीमों ने वाहन चालकों से पूछताछ की और आवश्यक दस्तावेजों की भी पड़ताल की। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए कई पॉइंटों पर अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया था। अभियान के दौरान, एसपी नरेंद्र सिंह मीना ने स्वयं जिला मुख्यालय और सदर थाना क्षेत्र के विभिन्न नाकाबंदी पॉइंटों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों को सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसपी ने जांच प्रक्रिया में सतर्कता बरतने, संदिग्ध व्यक्तियों पर विशेष नजर रखने और आमजन के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार बनाए रखने पर जोर दिया।

खेत में घुसकर सीसीटीवी कैमरे, 150 लीटर डीजल और कृषि उपकरण चोरी

वीडियो फुटेज के आधार पर नामजद मामला दर्ज

पीलीबंगा। क्षेत्र के चक 2 जेडब्ल्यू स्थित एक कृषि फार्म में घुसकर सीसीटीवी कैमरे, डीजल तथा कृषि कार्य में उपयोग आने वाले उपकरण चोरी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित किसान की ओर से दी गई रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने तीन नामजद तथा दो अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई रिपोर्ट में सूर्यनगर कॉलोनी वार्ड नम्बर 15, मंडी पीलीबंगा निवासी बंशीलाल पुत्र देवीलाल सुथार ने बताया कि उसकी कृषि भूमि चक 2 जेडब्ल्यू में स्थित है। फसल की सुरक्षा और निगरानी के लिए उसने खेत में लगे पोल पर दो सीसीटीवी कैमरे स्थापित कर रखे थे। आरोप है कि 28 मई को दोपहर करीब 1:23 बजे एक पिकअप वाहन में सवार होकर कुछ लोग खेत में पहुंचे और अनाधिकृत रूप से खेत में प्रवेश कर गए। आरोपियों ने पिकअप को कैमरों के नीचे खड़ा किया तथा दोनों सीसीटीवी कैमरे उखाड़कर अपने साथ ले गए। शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपियों ने केवल कैमरे ही नहीं, बल्कि खेत में रखा करीब 150 लीटर डीजल, दो कस्सियां, सुहागे की सांकल, ट्रैक्टर की फटी सहित अन्य कृषि उपकरण भी चोरी कर पिकअप में भर लिए। बाद में जब उसने कैमरों की रिकॉर्डिंग देखी तो उसमें कथित आरोपी सामान ले जाते हुए दिखाई दिए। इसके बाद खेत पर जाकर जांच की तो वहां से कैमरे और अन्य सामान गायब मिला। रिपोर्ट में बताया गया है कि सीसीटीवी कैमरों में लगी सिम के माध्यम से रिकॉर्डिंग सीधे उसके मोबाइल फोन में सुरक्षित हुई है। शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि चोरी की पूरी घटना से संबंधित वीडियो रिकॉर्डिंग उसके पास उपलब्ध है, जिसे पुलिस को साक्ष्य के रूप में सौंपा गया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर 5 एसटीबी निवासी अनुपम बगड़िया पुत्र महिपाल बगड़िया,4 एसटीबी निवासी संजय पुत्र वेदप्रकाश सुथार व संदीप कुमार पुत्र बनवारी लाल तथा दो अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की चोरी और संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

2-3 दिन में केरल पहुंच सकता है मानसून

इस बार औसत से कम बारिश का अनुमान

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बताया है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून अगले दो से तीन दिनों में केरल पहुंच सकता है। सामान्य तौर पर मानसून एक जून के आसपास केरल में प्रवेश करता है, लेकिन इस बार इसकी रफ्तार कुछ धीमी रही, जिस कारण हल्की देरी देखी जा रही है। अब इसके जून के पहले सप्ताह में पहुंचने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार अरब सागर, लक्षद्वीप, केरल और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए मौसम पूरी तरह अनुकूल है। वहीं बंगाल की खाड़ी के कई इलाकों में भी मानसून के विस्तार के संकेत मिल रहे हैं। इससे पहले अनुमान था कि मानसून 26 मई को केरल पहुंच जाएगा, लेकिन बीच में इसकी गति कमजोर पड़ गई। देश के अधिकांश हिस्सों में अब लू का असर खत्म हो चुका है। राजस्थान के अजमेर, नागौर और चित्तौड़गढ़ में ओलावृष्टि हुई है। मध्य प्रदेश के चार जिलों में आंधी और बारिश का सिलसिला जारी है। उत्तर प्रदेश के झांसी और ललितपुर में तेज बारिश दर्ज की गई, जबकि राज्य के 63 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। बिहार के सासाराम में भी दोपहर बाद बारिश हुई। इसके अलावा झारखंड, छत्तीसगढ़, हरियाणा और पंजाब समेत 27 राज्यों में हल्की से भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

इस साल मानसून कमजोर रहने के संकेत: मौसम विभाग ने चेताया है कि इस वर्ष मानसून के दौरान देश में सामान्य से कम बारिश हो सकती है। पूरे मौसम में बारिश का स्तर दीर्घकालीन औसत का लगभग 90 प्रतिशत रहने का अनुमान है। दीर्घकालीन औसत का अर्थ है किसी क्षेत्र में पिछले 30 से 50 वर्षों के दौरान हुई औसत वर्षा। भारत में 1971 से 2020 के आंकड़ों के आधार पर मानसून की औसत बारिश 87 सेंटीमीटर मानी जाती है। यदि बारिश 90 प्रतिशत से कम रहती है तो उसे कम वर्षा की श्रेणी में रखा जाता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, विपुल गोयल के द्वारा विजय आफसैट, नई धानमंडी, हनुमानगढ़ टाउन से मुद्रित एवं कार्यालय 283, सैक्टर नं. 6, नजदीक चूना फाटक, हनुमानगढ़ जंक्शन 335512, जिला हनुमानगढ़ (राजस्थान) से प्रकाशित एवं प्रसारित। सम्पादकः विपुल गोयल
RNI NO : RAJHIN/2022/85753